

रमा उनके मन्त्रिमय की किन्ती ही  
 महिषा विमिषा आवाने दिखने  
 जो है उगाह की उगाह गी  
 दोरे है वही का वास पर मरु  
 धरती मरु देखी है ध्यारीक हीवा  
 जारा है पण्डली मरु उगाह  
 होकर मरु है मरु ही

रमा  
 जहाजपुर (मीलवाड़ा)

